वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/global-multidimensional-poverty-index-2021

प्रिलिम्स के लिये:

गरीबी, बहुआयामी गरीबी सूचकांक, UNDP, OPHI

मेन्स के लिये:

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2021

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम **(UNDP)** और **ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीशिएटिव (OPHI)** द्वारा **वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2021** जारी किया गया था।

सूचकांक 109 देशों और 5.9 अरब लोगों के डेटा का आकलन करता है।

प्रमुख बिंदु

- **वैश्विक डेटा:**
  - 1.3 अरब लोग **बहुआयामी गरीब** हैं।
  - इनमें से लगभग आधे (644 मिलियन) **18 वर्ष से कम आयु के बच्चे** हैं।
  - **लगभग 85% उप-सहारा अफ्रीका (556 मिलियन)** या **दक्षिण एशिया (532 मिलियन)** में रहते हैं।
  - 67% से अधिक **मध्यम आय वाले देशों** में रहते हैं।
- **गरीबी में आवधिक कमी:**

  80 देशों और पाँच अरब लोगों (जिनके आवधिक और डेटा दोनों उपलब्ध है) में से कम-से-कम एक अवधि में 70 देशों ने **MPI को कम कर** दिया, जिसमें **सिएरा लियोन (2013-2017)** में सबसे तेज़ी से बदलाव आए, इसके बाद **टोगो (2013/2014-2017)** का स्थान है।
- **गरीबी में पूर्ण कमी:**

  कुछ देशों ने अपने सबसे गरीब क्षेत्रों में **सबसे तेज़ी से पूर्ण कटौती** देखी, जिसने किसी को भी पीछे नहीं छोड़ने की उनकी प्रतिज्ञा को पूरा करने में मदद की।

  इन क्षेत्रों में लाइबेरिया में **उत्तर मध्य (2013-2019/2020)** और **नेपाल में प्रांत 2 (2016-2019)** शामिल हैं।

- **जातीय और नस्लीय समूहों में गरीबी:**
    - कुछ मामलों में **जातीय और नस्लीय समूहों में बहुआयामी गरीबी में असमानताएँ भौगोलिक उपराष्ट्रीय क्षेत्रों** में असमानताओं से अधिक है।
    - एक देश के भीतर **विभिन्न जातीय समूहों के बीच बहुआयामी गरीबी बहुत भिन्न** हो सकती है।
    - इसलिये **बहुआयामी गरीबी को कम करने** के लिये विभिन्न नीतिगत कार्रवाइयों की आवश्यकता है।
- **शिक्षा:**
    - दुनिया भर में लगभग **दो-तिहाई बहुआयामी गरीब** (836 मिलियन) ऐसे घरों में रहते हैं जहाँ किसी भी **महिला या लड़की ने कम-से-कम छह साल की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं** की है।
        - 227 मिलियन गरीब भारत में रहते हैं।
    - सभी बहुआयामी गरीब लोगों में से **⅙ (215 मिलियन)** ऐसे घरों में रहते हैं जिनमें कम-से-कम एक लड़के या पुरुष ने स्कूली शिक्षा के छह या अधिक वर्ष पूरे कर लिये हैं लेकिन **किसी लड़की या महिला** ने नहीं।
    - रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि **बहुआयामी गरीबी में रहने वाली महिलाओं और लड़कियों को अंतरंग साथी से हिंसा का अधिक खतरा** होता है।
- **जीवन स्तर:**
    - 1 अरब लोग ठोस अपशिष्ट आधारित भोजन पकाने के ईंधन के संपर्क में हैं, अन्य लोग (अरब) **अपर्याप्त स्वच्छता** के साथ रहते हैं, साथ ही कई (अरबों) के पास **निम्न कोटि का आवास** है।
    - 788 मिलियन लोग कम-से-कम एक **कुपोषित व्यक्ति वाले घर** में रहते हैं।
    - 30 मिनट के राउंड ट्रिप वॉक के भीतर 568 मिलियन के पास **बेहतर पेयजल की कमी** है।
- **कोविड का प्रभाव:**
    - **कोविड-19 महामारी** ने दुनिया भर में **विकास की प्रगति को नष्ट कर** दिया है और हम अभी भी इसके पूर्ण प्रभावों को समझने के लिये जूझ रहे हैं।
    - इसने दुनिया भर में सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों, शिक्षा और श्रमिकों की भेद्यता में **कमज़ोरी को उजागर** किया है।
        - बहुआयामी गरीबी के **उच्च स्तर वाले देशों में ये कमज़ोरियाँ सबसे अधिक** हैं।
- **भारतीय परिदृश्य:**
    - चूँकि **भारत में जातियों और जनजातियों के बीच सामाजिक स्तरीकरण की एक अधिक प्रचलित रेखा** है, यह सूचकांक जातियों और जनजातियों तथा उन व्यक्तियों के बीच बहुआयामी गरीबी की घटना एवं तीव्रता को प्रस्तुत करता है जो किसी जाति या जनजाति के सदस्य नहीं हैं।
    - भारत में **छह बहुआयामी गरीब लोगों में से पाँच निचली जनजातियों या जातियों** से हैं।
        - **अनुसूचित जनजाति** समूह का **9.4%** बहुआयामी गरीबी में रहते हैं।
        - **अनुसूचित जाति समूह** का **33.3%** बहुआयामी गरीबी में रहते हैं।
        - **अन्य पिछड़ा वर्ग समूह** का **27.2%** बहुआयामी गरीबी में रहते हैं।
    - भारत में लगभग 12% जनसंख्या **महिला प्रधान परिवारों** में रहती है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)

- इसे '**ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीशिएटिव**' (OPHI) और 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' (UNDP) द्वारा वर्ष 2010 में विकसित किया गया था।
- MPI इस विचार पर आधारित है कि गरीबी एक आयाम नहीं है (यह न केवल आय पर निर्भर करती है और एक व्यक्ति में शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी कई बुनियादी ज़रूरतों की कमी हो सकती है), बल्कि यह बहुआयामी है।
- यह सूचकांक वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर आधारित है, जो प्रत्येक वर्ष व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से गरीब लोगों के जीवन की जटिलताओं की माप करता है।

- MPI तीन आयामों और दस संकेतकों का उपयोग करता है जो इस प्रकार हैं:
    - **शिक्षा:** स्कूली शिक्षा और बाल नामांकन के वर्ष (प्रत्येक का 1/6 भार, कुल 2/6)
    - **स्वास्थ्य:** बाल मृत्यु दर और पोषण (प्रत्येक का 1/6 भार, कुल 2/6)
    - **जीवन स्तर:** बिजली, फर्श, पीने का पानी, स्वच्छता, खाना पकाने का ईंधन और संपत्ति (प्रत्येक का 1/18 भार, कुल 2/6)

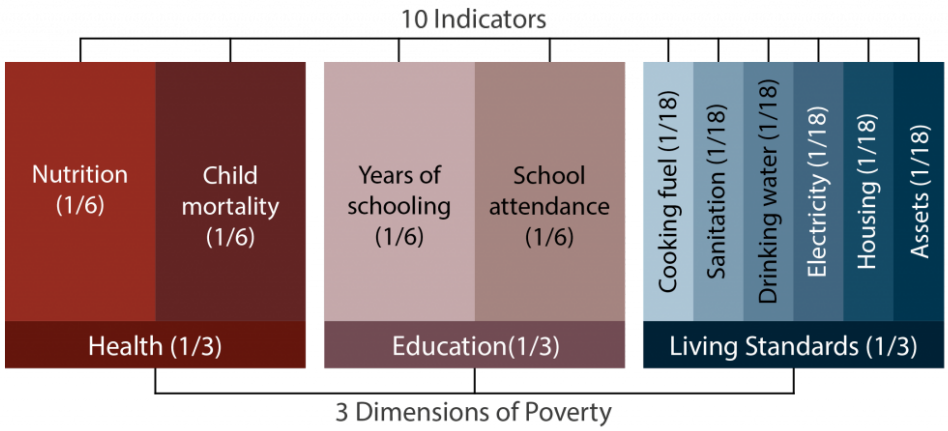

© Oxford Poverty and Human Development Intiative (OPHI)

- यह बताता है कि लोग तीन प्रमुख आयामों में किस प्रकार पीछे रह जाते हैं: स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर, जिसमें 10 संकेतक शामिल हैं। जो लोग इन भारित संकेतकों में से कम-से-कम एक-तिहाई (अर्थात् 33% या अधिक) में अभाव का अनुभव करते हैं, वे बहुआयामी रूप से गरीब की श्रेणी में आते हैं।
- MPI इसलिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह पारंपरिक पद्धति की तुलना में गरीबी को विभिन्न आयामों से पहचानता है जो केवल आय या मौद्रिक शर्तों से गरीबी को मापता है।

स्रोत: यूएनडीपी